

प्रधानमंत्री ने राजस्थान में परियोजनाओं का उद्घाटन किया चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने राजस्थान में 46,300 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

- परियोजनाएँ **ऊर्जा, सड़क, रेलवे** और **जल संसाधनों** सहित विभिन्न क्षेत्रों में वसितारति हैं।

मुख्य बट्टि

- पार्वती-कालीसधि-चंबल परियोजना:**
 - यह एक अंतर-राज्यीय नदी जोड़ो पहल है, जिसि मध्य प्रदेश में **चंबल नदी** से पार्वती, नेवज और कालीसधि नदियों के अधशेष जल को राजस्थान में **पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP)** तक ले जाने के लयि डज़ाइन कयिा गया है।
 - इस एकीकरण का उद्देश्य संबंघति राज्यों के बीच **जल बंटवारे, लागत-लाभ वतिरण और जल वनिमिय जैसे मुद्दों का समाधान करना** है।
 - इस परियोजना का उद्देश्य राजस्थान के 21 ज़िलों को सचिाई और पेयजल उपलब्ध कराना है।**
 - इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों में वकिस को बढावा मलिने की आशा है।
- परियोजना में शामिल नदियों:**
- चंबल नदी:**
 - उद्गम:** सगिर चोरी चोटी, वधिय पर्वत, इंदौर, मध्य प्रदेश।
 - प्रमुख सहायक नदियों:** बनास, काली सधि, क्षपिरा, पार्वती।
- पार्वती नदी:**
 - उद्गम:** वधिय रेंज, सीहोर ज़िला, मध्य प्रदेश।
 - महत्त्वपूरण सहायक नदियों:** कोई नहीं।
- कालीसधि नदी:**
 - उद्गम स्थल:** बागली, देवास ज़िला, मध्य प्रदेश।
 - प्रमुख सहायक नदियों:** परवन, नेवज, आहू।
- पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP):**
 - राज्य सरकार ने जल संबंघी समस्याओं के समाधान के लयि **ERCP को मंजूरी प्रदान की और उसका वसितार कयिा।**
 - पूर्वी राजस्थान के 13 ज़िलों में पेयजल एवं सचिाई जल की समस्या के स्थायी समाधान के रूप में राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 के राज्य बजट में महत्वाकांक्षी **पेयजल एवं सचिाई जल परियोजना पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP)** की घोषणा की गई थी।
 - इन ज़िलों में **झालावाड, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर** शामिल थे।
 - ERCP का उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान की नदियों जैसे **चंबल और उसकी सहायक नदियों**, जैसे **कुन्नू, पार्वती, कालीसधि**, में वर्षा के दौरान उपलब्ध अधशेष जल का संचयन करना तथा इस जल का उपयोग राज्य के दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है, जहाँ पीने और सचिाई के लयि जल की कमी है।
 - ERCP की योजना वर्ष 2051 तक दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मनुष्यों और **पशुपालन** के लयि पेयजल और औद्योगिक जल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लयि बनाई गई है।

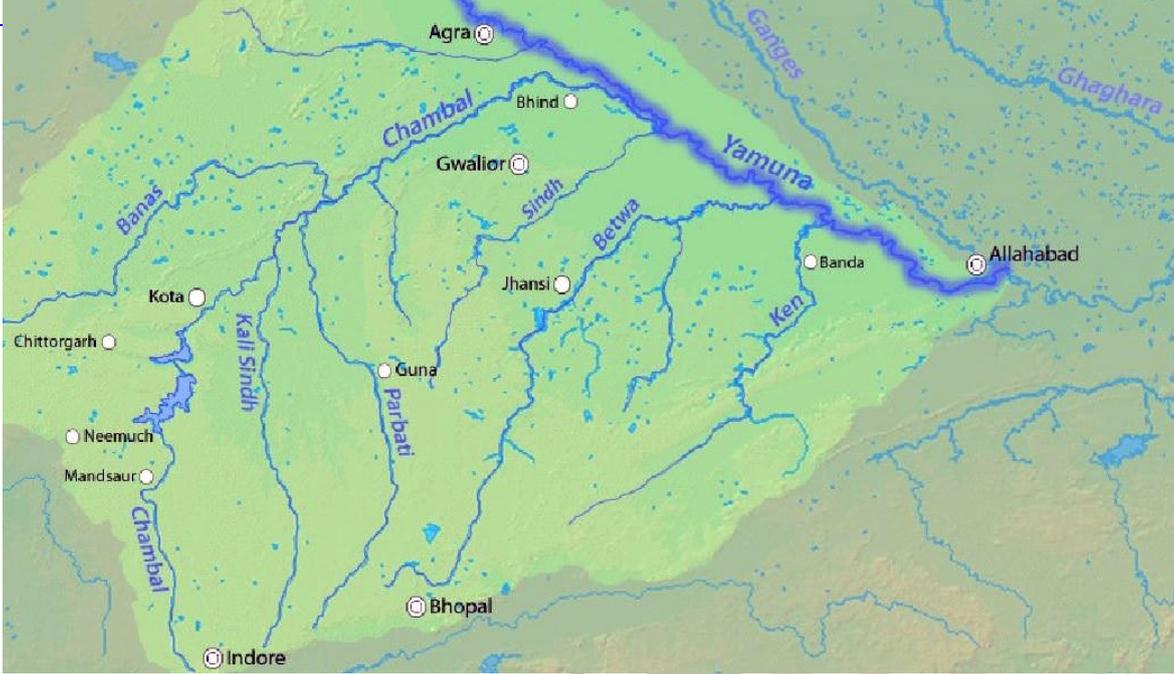
चंबल नदी

- परचिय:**
 - यह **वधिय पर्वत** (इंदौर, मध्य प्रदेश) की उत्तरी ढलानों में **सगिर चोरी चोटी से निकलती है**। वहाँ से यह मध्य प्रदेश में उत्तर दशिा में लगभग 346 किलोमीटर की लंबाई तक बहती है और **फरि राजस्थान से होकर 225 किलोमीटर की लंबाई तक उत्तर-पूर्व दशिा में बहती है**।
 - यह नदी **उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है और** इटावा ज़िले में **यमुना नदी** में मलिने से पहले लगभग 32 कमी. तक बहती है।
 - यह एक मानसूनी नदी है, जिसका **बेसनि वधिय पर्वत श्रृंखलाओं और अरावली से घरिा हुआ है**। चंबल और इसकी सहायक

नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को जल प्रदान करती हैं।

• राजस्थान में हाड़ौती पठार मेवाड़ मैदान के दक्षिण-पूर्व में चंबल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है।

- सहायक नदियाँ: बनास, काली सिंधि, सपिरा, पारबती, आदि।
- मुख्य वदियुत परियोजनाएँ/बाँध: गांधी सागर बाँध, राणा प्रताप सागर बाँध, जवाहर सागर बाँध और कोटा बैराज।
- राष्ट्रीय चंबल अभियारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-जंक्शन पर चंबल नदी के किनारे स्थित है। यह गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ़ टर्टल (कछुए) और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन के लिये जाना जाता है।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pt-inaugurates-projects-in-rajasthan>